



[illegible][illegible]

सर्वसिद्धिमहाकृत्नीं वेद्यानलमहर्वदं सर्वसिद्धिप्रदायकं ॥ मन्त्रगयम ॥
धनकायकं ॥ १ ॥ डं वज्रसूक्तं ॥ १ ॥ धमन्त्रं ॥ धनप्रदुवानं ॥ बालं ॥ कायवर्कं ॥ १ ॥
यकं ॥ सर्वयायदहनवकाय ॥ सर्वयायदहखाहा ॥ १ ॥ धमन्त्रं नहं वा ॥ अविष्टानह
कायवर्कं ॥ ० ॥ ॥ हाससहावना ॥ ॥ नमो ॥ अग्निमूर्ते नृकायणशुक्रवज्रयवस्कृतय
मानविष्टाय ॥ ॥ डं ॥ अयमनीयानि ॥ ॥ ० ॥ ॥ धनप्रदुवानं ॥ ॥ विष्टि ॥ विष्टि
॥ ॥ डं ॥ अयमनीयानि ॥ ॥ ० ॥ ॥ धनप्रदुवानं ॥ ॥ विष्टि ॥ विष्टि
॥ ॥ डं ॥ अयमनीयानि ॥ ॥ ० ॥ ॥ धनप्रदुवानं ॥ ॥ विष्टि ॥ विष्टि

॥ यत्नासि ॥ ॥ डं ॥ वज्राज्ञायास्वाहा ॥ ॥ खदिय ॥ ॥ डं ॥ वज्रद्वयायस्वाहा ॥ ॥ अयामा ॥ ॥ डं
वज्रकवचायस्वाहा ॥ ॥ वृद्ध ॥ ॥ डं ॥ वज्रयज्ञायस्वाहा ॥ ॥ इति ॥ ॥ डं ॥ वज्रसनिध्यायस्वा
हा ॥ ॥ समिकण्ठ ॥ ॥ डं ॥ वाधिवृकायस्वाहा ॥ ॥ वज्रगण ॥ ॥ डं ॥ वज्रतनायस्वाहा ॥ ॥ यित्ताय
॥ ॥ डं ॥ वज्रविज्ञायस्वाहा ॥ ॥ वज्रनय ॥ ॥ डं ॥ मधुनस्वाहा ॥ ॥ मद्रुसि ॥ ॥ डं ॥ अयमा ॥ ॥ डं ॥ अयमा
॥ ॥ डं ॥ सर्वयावयसमनायस्वाहा ॥ ॥ वज्रकसि ॥ ॥ डं ॥ वज्रसरुकायस्वाहा
॥ ॥ अयसि ॥ ॥ डं ॥ सर्वयावयसमनायस्वाहा ॥ ॥ ४ ॥ ॥ कदम्बगं ॥ ॥ अयसि ॥ ॥ डं ॥ अयमा

किं न व जाय स्वाहा ॥ **कुं** ॥ उं व ज यथा स्वाहा ॥ इ वी कृणु ॥ ० ॥ उं सर्वे या यदह
न व ज य सर्वे या यदह स्वाहा ॥ **हामज** ॥ उं व ज यथा स्वाहा ॥ **अरुण** ॥ उं व ज व
गाय स्वाहा ॥ **गंधी** ॥ उं व ज घ सत्राय स्वाहा ॥ **हो वा** ॥ उं व ज वि जाय स्वाहा ॥
उदसि ॥ वा ॥ उं व ज माहाव जाय स्वाहा ॥ **मास** ॥ **म्यान** ॥ उं व ज या आय स्वाहा
॥ **मंवा** ॥ उं सर्वे र्थे सिद्ध स्वाहा ॥ **युका** ॥ **युका** ॥ उं सर्वे र्थे यत्न स्वाहा ॥ **तां** ॥ **य**
विजा ॥ उं **आः** व ज द शन रु जाय स्वाहा ॥ **काल** ॥ **मवतो** ॥ **गिबुधि** ॥ **विहिदा**

या ॥ उं **आः** हं ॥ **थम** न इ य ॥ **यै** श श य हा ल य ऊ ॥ **ला** य ॥ **यपु** वा द न ॥ **म**
मि ॥ **मकु** न य न ॥ ॥ **सू** जा या न स ॥ **सं** ख ले ख न स्य ॥ **वा** क दू य व ॥ **अग्नि** कृणु ॥ उं
व ज स ख आः ॥ **या** गि शु वा अ पि य न ॥ ० ॥ **नमः** स कि वा क न ॥ **सू** मा ह गि य नि
य दू स्वाहा ॥ **यपु** वा द न ॥ **म** ॥ **मकु** न य न ॥ ॥ **नमो** अग्नि र्मा या कृ ण कृ त्वा
हाम स ॥ **मं** न र्थे ख न हा य ॥ उं व ज ल कृ था कृ ण कृ त्वा ॥ **व** क्त्वा य च न म ना दि र्थ कृ
त्वा ॥ **लो** का क र्त्तृ ह ना मि वि रु द्ध ॥ **जा** लो का लो यो य न्वा य रु दि क म ल य न्वा स न

यात्रेसुलाधियतिः सुखवीरु निष्पन्नं विदुर्विदुयविद्यामनं मधुलाधियतिः
माधुल्यविद्या ॥ स्वहृदीरुमयवीरुमै रूतसत्त्ववदकृपादिरेवनीयव
यताष्टद्वारुनसत्त्वसमयसत्त्वयाः कीयनीलमित्तसमवसिद्धीविकाया ॥
द्वसवः ॥ स्नानरुद्रायनयके ॥ अकार्येन ॥ धूय ॥ रुगवन्नीजमूकसत्त्व
विद्यावाकनमाशुतं कुरुमिच्छामितना ० मधुलकयूषामकं ॥ सिध्यालासनूकल्या
र्थं ॥ यूषाकैयूषनाथायव तस्मैरुक्थमं रुगवन्नुसार्थं कुरु महथः ॥ समन्ता

रुचनुमावृक्षा रुगदर्थं कियार्थदा ॥ रुलस्त्रावाविसत्त्वाश्च ॥ यावानामलुदवता
दन्वता लाकया लाधिरुगा सत्त्वा विमामना साधना रिवतासत्त्वाश्चयकविद्वज्जव
कथं ॥ अमूकवदनामायायेन ॥ अमूकदवता अवेद्यानि यथा अकुरुयावत ॥ अ
मूकया मूयादाय ॥ स सिध्यास्यतसम मधुलसहिता ॥ सर्वसानि ॥ कुरु महथः ॥
अयमसरुलैरुत्ता सरुलैर्जीविर्नयमः समयसत्त्वदेवता ॥ रुवताह नसेमय ॥
अदेवता रुविद्यामि वाविचिक कयतसा ॥ गथा गताः कलायति ॥ समान्यज्ञानसंस्थ

सर्वोभेदेवसाहय यक्षमहानूतसन्नियागारुहय सर्ववृद्धनिमन्त्रपाद
॥ निलाञ्जनं रुतान ॥ यथायहललयुजा ॥ यथायहललयुजा ॥ यथायहललयुजा ॥
दि ॥ मन्त्रनयन ॥ ॥ नतादवतायामुखवृकायन ॥ युकावज यवसु यवमा
नीविशवा ॥ ॥ ॐ आः यमनेयुतिय कृत्वाहा ॥ ॥ यद्वदत्यत्रियाहमूनमन्त्रन ॥ विदि
दाकाहय ॥ यत्तज्जकादिकालरुलयरुन ॥ यत्तज्जकादिकालरुलयरुन ॥ यत्तज्जकादिकालरुलयरुन ॥
न ॥ मन्त्रनयन ॥ ॥ यत्तज्जकादिकालरुलयरुन ॥ यत्तज्जकादिकालरुलयरुन ॥ यत्तज्जकादिकालरुलयरुन ॥
स्वद नशाक ॥ दि ॥ ३३ ॥ ययतवस ॥ ययतवस ॥ ययतवस ॥

यक्षमहानूतसन्नियागारुहय सर्ववृद्धनिमन्त्रपाद
साहय ॥ मन्त्रनयन ॥ ॥ यत्तज्जकादिकालरुलयरुन ॥ यत्तज्जकादिकालरुलयरुन ॥ यत्तज्जकादिकालरुलयरुन ॥
जादाका ॥ यत्तज्जकादिकालरुलयरुन ॥ यत्तज्जकादिकालरुलयरुन ॥ यत्तज्जकादिकालरुलयरुन ॥
त ॥ कायायि ॥ ॥ यत्तज्जकादिकालरुलयरुन ॥ यत्तज्जकादिकालरुलयरुन ॥ यत्तज्जकादिकालरुलयरुन ॥
स ॥ ॐ गगला गगला विलाकिनेह ॥ ॥ यत्तज्जकादिकालरुलयरुन ॥ यत्तज्जकादिकालरुलयरुन ॥ यत्तज्जकादिकालरुलयरुन ॥
त ॥ ॐ वरुवियतमा स्वाहा ॥ यत्तज्जकादिकालरुलयरुन ॥ यत्तज्जकादिकालरुलयरुन ॥ यत्तज्जकादिकालरुलयरुन ॥

अथ बीना ॥ ॐ ज्ञाः वज्र वाससेखाहा ॥ कङ्कडमका ॥ ॐ ज्ञाः वज्र वाससेखाहा ॥
 हा ॥ गोल ॥ ॐ ज्ञाः सपुष्पीसकलें वनकलनीय ॥ कङ्कावाडगुपकसाया ॥ कङ्कनीखा
 हा ॥ यने ॥ ॐ ज्ञाः सलखान ॥ ॐ यभायभाजाड ॥ दहशसर्वविज्ञानपुमानिकनूखाहा
 ॥ वचुषागुडि ॥ ॐ ज्ञाः वज्रभूयखाहा ॥ धूनि ॥ ॐ ज्ञाः वज्रावलाकिवहीः ॥
 हा ॥ मर ॥ ० ॥ यथायहालयूजा ॥ नास्याचधुवादन ॥ कुति ॥ नर्येस ॥
 मका खलिवाकन ॥ नूरे हनिपनियकखाहा ॥ खनवेंदाव ॥ ॥ यथायहा

[illegible]

यमथे बल्लवला ॥ न स सर्वसत्तासु सिनारु वक्तु ॥ साकुप्रमर्गानत्र देवयुक्ती ॥ यमो नम
 मर्द्धुहामु हाकि ॥ ॥ ॐ ॐ गमाथा ॥ यमथे बल्लवला न स सर्वसत्तासु सिनारु वक्तु ॥ ग
 वानममर्गानत्र देवयुक्ती ॥ सीधनममर्द्धुहामु सि ॥ जानिहयुगा न स समागमानि ॥ स्म
 गानि शुभमववक्तु प्रयाक वक्तु मे ॥ निसर्गयुगासु ॥ दिवाचनानुचय वक्तु यमो ॥
 मनु ॥ ॐ ॐ ॥ हवयुक्तानयने ॥ यथाशिलासिने ॥ यमय १ युधुसिखा हविष्यसिद्ध
 स्वाहा ॥ ॥ यथाशिलासिने ॥ लास्या ॥ यथावादन ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

सगाकल ॥ अयाकेयायाये स्सनत्यादि ॥ यत्कु न सिखादि ॥ कुलवसर्वसत्ता
 धिखादि ॥ ॥ ॐ ॐ ॥ हवयुक्तानयने ॥ यथाशिलासिने ॥ यमय १ युधुसिखा हविष्यसिद्ध
 १ ॐ नमो गवत ॥ सत्तद्विग्नितिविनिर्माणनलाजाय ॥ यथाशिलासिने ॥ यमय १ युधुसिखा हविष्यसिद्ध
 वामन ॥ यिकथायाइवन ॥ यथाशिलासिने ॥ यमय १ युधुसिखा हविष्यसिद्ध
 वायुजानक ॥ ॥ वाकयाय ॥ ॥ अययकुसताविधाय ॥ ॥ अययकुसताविधाय ॥ ॥ अययकुसताविधाय ॥ ॥
 मूकवक्तु ॥ अमूकनिलो ॥ अमूकनिलो ॥ अमूकनिलो ॥ अमूकनिलो ॥ अमूकनिलो ॥

१ ॐ नमो गवत ॥

[illegible]

दियश्च माहं ॥ लेखनमाय ॥ उँ वसूयात्रियण द्यागयहं ॥ लालानन ॥ विष्णु
नयात्र ॥ ॥ कोमलयेन ॥ ॥ नभारुगदतं ॥ सवेष्टुनिवविस्वय
नजाज्ञाय ॥ तथागतयारुने सम्यग् दृष्टाय ॥ तथथा ॥ उँ लाधने १ सर्वयायः
दिगाधने ॥ शुद्ध विशुद्ध ॥ दिर्ल गंग ॥ ज्ञाननामश्रयाय ॥ सहकम्पान्नयन
विस्वयन स्वधा ॥ सीरवलेन ॥ ॥ उँ कक्षानि १ प्राञ्जनि १ शोचनि १ युगिह्नन १
सर्वकार्ये प्रयत्नविस्वयन स्वधा ॥ ३३ ॥ ॥ उँ अमाद्या अमाद्ययानि हन हन

१ सर्वकर्मोक्तं कथास्त्रीयस्वधा ॥ धर्मि ॥ ॥ उवाचि स्वर्गानि न स्वधा ॥ ॥
धर्म ॥ कस्मि ॥ ॥ उवाचि स्वर्गानि न स्वधा ॥ ॥ उवाचि स्वर्गानि न स्वधा ॥ ॥
वृद्धाय ॥ न श्रुता ॥ ॥ उवाचि स्वर्गानि न स्वधा ॥ ॥ उवाचि स्वर्गानि न स्वधा ॥ ॥
जन्मकस्मि ॥ सर्वकर्मोक्तं कथास्त्रीयस्वधा ॥ ॥ धर्मि ॥ ॥ उवाचि स्वर्गानि न स्वधा ॥ ॥
यवाभिन्नयूय ॥ अयलसिनायूयूय ॥ ह्यनर्हताया ॥ यवयकाविनिस्वधा ॥ ॥ लंभ
॥ ॥ ॥ उवाचि स्वर्गानि न स्वधा ॥ ॥ उवाचि स्वर्गानि न स्वधा ॥ ॥ कस्मि ॥ ॥ उवाचि स्वर्गानि न स्वधा ॥ ॥

वतिग्रहयाकन ॥ विद्यालक्षः सुयूगादेविद्यागता ॥ मनकाव
नार्त ॥ कायवीविद्यागशय ॥ मिथावादागुजवचनेन ॥ इष्टदा
षारिल्लरुले ॥ अतप्यनैल्लयायाकन ॥ लनकोचितकयू ॥ विमुना
न ॥ अर्वाल्लयाकन ॥ मिगुरुदकजहविद्यमि ॥ वावर्व ॥ विजाव
कजहआयदाकन ॥ लायू ॥ यात्रयातुअमतोरुप्रहृनीगीध ॥ म
मयाथ ॥ गात्रवचनविद्यायाकन ॥ मेतसुखमदस्य ॥ लोकनति

दनायायुव ॥ असारिनेयनायातु ॥ अनादयवाकन ॥ लाकयू ॥ रिन्न
रुले ॥ मवकाययाहर्वाल्लयाकन ॥ वृत्तयवचनमइ ॥ लोकवच
वशयू ॥ अविद्याअग्यानसुखरुले ॥ अग्यानयाकन ॥ ग्यान
मदस्यकनशयू ॥ वायादातुगीवृत्तस्वसोहिता ॥ मवत्यायसा
त्रवात ॥ तवकन ॥ स्वयमाकोकयू ॥ मिथ्यादृष्टगीवहिनजगति
रुल्ल्याहिरुले ॥ मिथ्यादिस्त्रियाकन ॥ तवकन ॥ हिनजगतिम

आयनयेव ॥ तत्मातृदशकसल याले ह्युकायेहा ॥ वतवैवय
न ॥ थाने निमिदिन ॥ उतायायताठताव ॥ वतवययद्रुने ॥ व
निन ॥ समन्वाहन रुदन्ता आरायायायार्थ ॥ दसादिगुणक
रुसनेयानिना ॥ एकमुनयादाव ॥ हाकिआवाय ॥ उयाथास ॥ द
दिग ॥ लोकयागुसवाय ॥ ॥ वृद्धारुगवना ॥ वायिसहाय ॥ अरुम
मूकनामा ॥ वृद्धयस्य संधाय ॥ सननगकुमि ॥ तथामतडाका ॥ वा

सनुद्वाकाथदय ॥ क्रियानि ॥ यवशतामाकिथीह ॥ वृद्धयस्य संध
कि ॥ क्रियानि ॥ सलनवताग ॥ युनययली ॥ समन्वाहनकु रुदन्ता
समस्तगुण ॥ वृद्धवायिसहाय ॥ हाता ॥ सवरेकाया ॥ एकमुनया
द ॥ हाकिरुमर्क ॥ गुणवृद्ध ॥ वायिसहाय ॥ हाकासक ॥ मातयेन
नी ॥ मासववृत्तयादायाय ॥ नदन्तासंगमा ॥ सर्वसनुयुव ॥
कायाननयादा ॥ ग्रामिनयादा ॥ यार्थ ॥ समाशुका ॥ क्रियानिमादा

तग ॥ अस्मादि ॐ ह्रस्वमो निरुवा न्नवषु मया यायकी कस्मै कर्त
थु कस्मै स ह्रस्वमो स ह्रस्वमो वा यया दा ॥ अका वि न वा ॥ अन्न
मादि न वा ॥ नत्सर्वे लकथां विष्णु शिवा तुल्यिवा मवया वका
त्रववत रा लया थश ल उया ये क न थया यदा को ॥ ह्रस्वो लया ल म
क्रिया दा व ॥ ग्वडमूनका व उतिया दा व ॥ श्रीवसुधायाः अ
वगुन वृद्ध या वि स न्म्या फिके ॥ सर्वे यायी घाते दस या मि ॥ अ

नस्म जर्ण पाते ह्रस्वया मि ॥ श्रीवसुधाया म ह्रस्वमो लसक्त गुपू वृद्ध
वा वि स न्म्या ह्रस्वमो अ न स न स र्म यायी अ ग्ना तन या दा र्व द स न
वा ॥ अ व या य मु ग व ल म ग ॥ यत्स ह्रस्वमो य म ॥ आवत नि ॥ या
व गाले ग व ग ॥ स म न्वा ह ल यथा न्म ज न द र्म का थ म वि स सा
द ॥ अ क म न या द ग थ थ्व ग व म र्म ग थ थ्व न व य ॥ म य या न
व हि ना नि या मि या ॥ अ व व ल शा डि न व क्क या ले रु ग ॥ थ्व नो त म

तेव ॥ नानमभव ॥ विचकनमदयके ॥ यात्रनया ॥ वक्रवयश्व
ज ॥ कथं यावद्वैर्व ॥ प्रथवां यावत्तात्रिगामेनी ॥ यावत्सूर्य
दयानुप ॥ तावत् ॥ गद्य ॥ ग्वनाता ॥ त्रिवेनवहययतात्र ॥ मूर्धिसा
थनूयात्रातिवहोव ॥ कानसयाहय ॥ मन्त्रात्र ॥ थलात्र ॥ श्रीवसू
धातावत ॥ एकागमने ॥ समाधाययत् ॥ श्रीवसूधातावत ॥ एकावि
कने वज्रलयश्वी ॥ ॥ ॥ ॥ यथ्यानास ॥ ॥ उवसूधामपुनयव

यसुक्तात्रा वक्रवैमित्रहाहा ॥ सर्वोविद्यानुसात्रयह ॥ खानमेश
लुदयकेवाय ॥ ॥ उश्रीवसूधायहाहा ॥ उवसूधातायहाहा ॥
उश्रीवसूधात्राधलनीयहाहा ॥ दात ॥ उश्रीवज्रयत्रसगलनि
धोषायमथागाय वज्रयुधैयुगिष्ठाहाहा ॥ देवत ॥ उश्रीज्जायव
त्राकेनश्वत्राय वज्रयुधैयुगिष्ठाहाहा ॥ नववसू ॥ उश्रीज्जायव
यानय वज्रयुधैयुगिष्ठाहाहा ॥ नव ॥ उश्रीज्जायव वज्रयुधैयुगि

बुद्धाहा ॥ **ह्रवत** ॥ उंशी उक्तल उ नन्दाय स्वाहा ॥ **ह्रवको नस** ॥
उं ह्रमैयया लता वा नात्रा य स्वाहा ॥ **ह्रवको नस** ॥ **दधुमपुल** ॥
उंशी बुकाद विद्य स्वाहा ॥ **ह्रवको कनस** ॥ उंशी शुभुयाय स्वाहा ॥
ह्रवर्थ कनस ॥ उंशी सवस्य स्वाहा ॥ **ह्रवर्थ कनस** ॥ उंशी वल
काना वाय स्वाहा ॥ **ह्रवको कनस** ॥ **विधुमपुल** ॥ उंशी मातिरुदाय
स्वाहा ॥ **ह्रवत** ॥ उंशी यूरुदाय स्वाहा ॥ **ह्रवत** ॥ उंशी यनेडाय

स्वाहा ॥ **ह्रवत** ॥ उंशी वैश्वरूप्य स्वाहा ॥ **ह्रवस** ॥ उंशी विवेक
लित स्वाहा ॥ **ह्रवक कनस** ॥ उंशी कलिमा लित स्वाहा ॥ **ह्रव**
थ कनस ॥ उंशी मुरव स्वाहा ॥ **ह्रवर्थ कनस** ॥ उंशी वलदाय
स्वाहा ॥ **ह्रवको कनस** ॥ उंशी सवतिवनाय स्वाहा ॥ उंशी सवतिवनाय
स्वाहा ॥ **ह्रव** ॥ **ह्रव** ॥ **अयथाय** ॥ उंशी महा लक्ष्मीकान्ति वाग्निनीयव
शुभं यति स्वाहा ॥ **दाते स** ॥ **यथल यल ययुडा** ॥ उंशी सवतिवनाय

स्वान ॥ उँ वसुधा जि स्वाहा ॥ वन ॥ उँ वसुधा जि स्वाहा ॥ अकृत ॥ उँ वसुधा
लिपीय स्वाहा ॥ वृत्ति ॥ उँ वसुधा लाया लनीय स्वाहा ॥ मत ॥ उँ वसुधा
नि विरय स्वाहा ॥ गोय ॥ वृत्ति ॥ कल्या ॥ देन ना विधिना ॥ यालियथा म
ना ॥ या धालया विविध ननु सवर्ण मया ॥ यूर्ध्व कला तु वन सहस्र सर्वग
सर्वलोका जननि ॥ युष्मा मा मिरुद्धो ॥ कलासन ॥ रगत्रागि रसुधा ना
यान्ता ॥ दुषित युवना दा आ कर्षयन् ॥ उँ श्रीर्यकालि धन कालि ॥

कालि ॥ आगच्छ मरुवी स्वाहा ॥ कलासन पुल दा तं सन ॥ मा तु य
काव ॥ उँ श्री आर्य वसुधा ना ॥ वा धि गिरु कव रव स स्वाहा ॥ वन
वा ॥ स या द वन न ॥ अर्ध दुर्गि ॥ उँ वसुधा प्रासदा तन्वा ॥ वा जि डान
वमालनी ॥ साधना या ये कारु ॥ लक्ष्मि सिद्धि वप्र यु दा ॥ धन सु ध या
उक्ते ॥ उँ सम य सो म्य सम य कवि ॥ महा सम य स्वाहा ॥ उँ उँ उँ उँ उँ
वर्ष नि युवर्ष नि ॥ निष्ठा दानि ॥ श्री वसुधा ना ॥ अर्ध युगि रु स्वाहा ॥

कृतकालेन मनूनादि तद्विना नाम मकी न श्रीवत्स आला रक्षण का
य उलन कमयाय अथ योनि इत्याह ॥ **निष्कल सखान ॥** के लो
मसिवायक ॥ ई नमान न ययाय गत जि वसल कृष्ण रु ल रु स
दिवा नूय श्रीवत्स वा वत्स निर्वकालि ॥ **आनि कालि ॥** या ई कालि
मम काये सिद्धि कालि साक्षा ॥ २९ ॥ **ये यो वल लयूआ ॥** ए न
गनम फु मरुद वी सवो सिद्धि यमा यनी ॥ नमा इ ॥

वत्स वा जान मा म्मु ॥ ७ **गार्धन ॥** साहा वा य वा ॥
इ न मही दीया य लि द वी न जा द वी न पि म वधु नी जा व ल ह
म व स य नि सि ॥ गा गा आ का दि वा नू या रु य स क ल ह सा म व
ति या न विद्या जान त्वे वृधी य न द्र द ता दि द्या व नि यु स त म न
मा ली ग्य आ ह य म न त्वा इ वी नि सु ग न गु न इ य नि ग र
इ ना का रा नू च क दी य द ग म म चि ना स व स र्था म का स्य न क